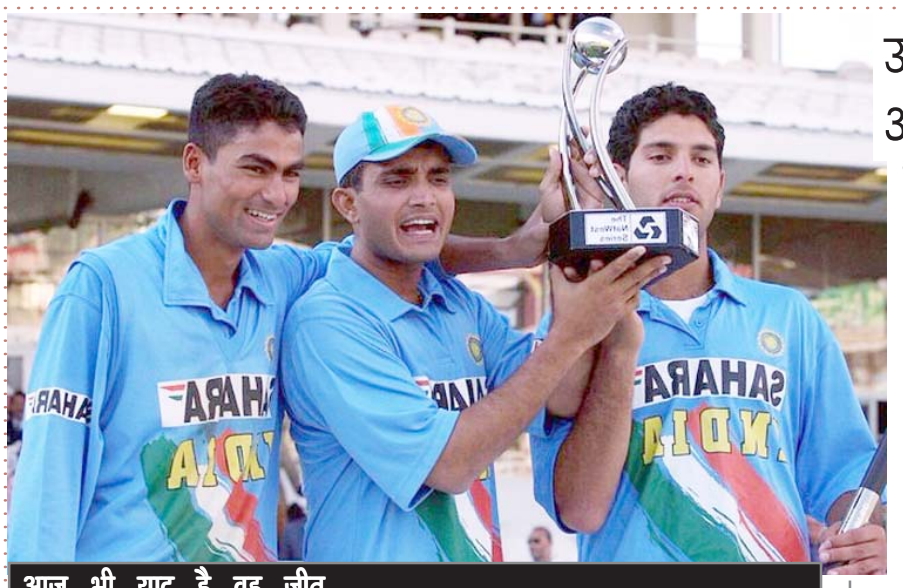

आज भी याद है वह जीत

18 साल बाद भी कैफ को वह जीत याद है। वह कहते हैं, उस जीत ने भारतीय क्रिकेट को हमेशा के लिए बदलकर रख दिया। उस जीत ने बताया कि हम बड़े स्कोर का पीछा कर सकते हैं। इस जीत ने बताया कि हम बड़े फाइनल जीत सकते हैं। भारतीय फैंस इस मैच को इसलिए याद करते हैं क्योंकि 1983 के वर्ल्ड कप फाइनल की जीत के बाद यह लॉर्ड्स पर भारत की सबसे बड़ी जीत थी।

उस दिन मुझे लगा कि मैं अमिताभ बच्चन हूं: कैफे

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। भारतीय टीम ने 13 जुलाई 2002 को नेटवेस्ट ट्रोफी के फाइनल में इंग्लैंड को हराया था। टीम इंडिया ने 326 के लक्ष्य को हासिल किया था। दो विकेट से मिली यह जीत भारतीय टीम के इतिहास में काफी मायने रखती है। यह जीत इस लिहाज से भी काफी अहम हो जाती है कि इसमें युवा खिलाड़ियों ने सबसे अधिक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। सचिन तेंडुलकर जब आउट होकर पविलियन लौटे तो भारत का स्कोर पांच विकेट पर 146 रन था। ऐसे में युवराज सिंह और मोहम्मद कैफ ने मिलकर भारत को संकट से उबारा। युवराज के आउट होने के बाद भी कैफ जमे रहे और भारत को जीत दिलाकर ही लौटे। युवराज और कैफ के बीच 121 रनों की पार्टनरशिप हुई थी। युवराज के आउट होने के बाद हरभजन सिंह ने कैफ का अच्छा साथ दिया और सातवें विकेट के लिए 47 रन जोड़े। मोहम्मद कैफ ने नाबाद 87 रन बनाए। कैफ फाइनल में मैन ऑफ द मैच बने।

गांगुली ने धोनी को थाली में सजाकर दी थी विनिंग टीम

क्रिकेट

गांगुली ने भारतीय टीम की मानसिकता और खेलने का रवैया बदलः श्रीकांत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कृष्णमनचारी श्रीकांत ने कहा है कि सौरभ गांगुली ने मजबूत भारतीय टीम का आधार रखा। उन्होंने कहा कि गांगुली ने एक मजबूत विनिंग कॉम्बिनेशन महेंद्र सिंह धोनी को थाली में सजाकर दिया। उन्होंने कहा कि गांगुली ने भारतीय टीम की मानसिकता और खेलने का रवैया बदला।

स्टार स्पोर्ट्स के शो क्रिकेट कनेक्टेड में श्रीकांत, के अलावा गौतम गंभीर, ग्रीम स्मिथ और कुमार संगाकारा मौजूद थे। ये सभी खिलाड़ी भारतीय क्रिकेट में आए बदलावों और सौरभ गांगुली और महेंद्र सिंह धोनी द्वारा छोड़ी गई विरासत पर चर्चा कर रहे थे। श्रीकांत ने कहा कि गांगुली भारतीय क्रिकेट के रवैये को बदलने वाले कप्तान थे। उन्होंने कहा, गांगुली ने

बहुत मुश्किल वक्त में कप्तानी संभाली। उन्होंने भारतीय क्रिकेट में बदलाव की प्रक्रिया को शुरू किया। उन्होंने भारतीय टीम की पूरी मानसिकता को बदलकर रख दिया।

गौतम गंभीर का कहना था कि धोनी ने विराट कोहली के लिए बहुत ज्यादा क्वॉलिटी प्लेयर नहीं छोड़े। उन्होंने कहा कि खुद कोहली, रोहित शर्मा और जसप्रीत बुमराह के अलावा धोनी ने विरासत में कोहली को बहुत ज्यादा खिलाड़ी नहीं दिए।

गंभीर ने कहा, महेंद्र सिंह धोनी ने कोहली को बहुत ज्यादा क्वॉलिटी प्लेयर नहीं दिए हैं। बस खुद कोहली, रोहित शर्मा या जसप्रीत बुमराह के अलावा ऐसे खिलाड़ी नहीं हैं, जो आपको टूर्नमेंट में जीत दिला सकें।

इस पूर्व लेफ्टहैंडर बल्लेबाज ने कहा कि वहीं दूसरी ओर सौरभ गांगुली ने भारतीय टीम के लिए कई खिलाड़ी तैयार किए। उन्होंने कहा, गांगुली को देखिए उन्होंने भारतीय क्रिकेट को युवराज सिंह, हरभजन सिंह, जहीर खान, वीरेंदर सहवाग जैसे खिलाड़ी दिए हैं। गंभीर ने कहा, तो जो सौरभ गांगुली को मिला और जो उन्होंने महेंद्र सिंह धोनी को दिया वह उससे बहुत ज्यादा था, जो धोनी को मिला और जो उन्होंने विराट कोहली को दिया। गंभीर ने कहा कि जहीर खान को भी गांगुली ने ही मेंटॉर किया और वह महेंद्र सिंह धोनी के लिए बड़े हथियार साबित हुए।

धोनी वनडे इंटरनैशनल में सौरभ गांगुली से बेहतर कप्तान, लेकिन...

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय सलामी बल्लेबाज गौतम गंभीर ने महेंद्र सिंह धोनी को सीमित ओवरों के प्रारूप में सौरभ गांगुली से बेहतर कप्तान बताया है। गंभीर ने इसके पीछे धोनी की जीती ट्रोफी को कारण बताया है। हालांकि गंभीर ने साफ किया कि धोनी को एक अनुभवी टीम मिली थी जिसे गांगुली ने तैयार किया था।

पूर्व क्रिकेटरों गौतम गंभीर, कुमार संगाकार, ग्रीम स्मिथ और के. श्रीकांत के बीच महेंद्र सिंह धोनी और सौरभ गांगुली के बीच वनडे क्रिकेट की कप्तानी में हो रही तुलना के दौरान गांगुली ने यह बात की।

धोनी को ऐसे खिलाड़ी मिले जिन्होंने गांगुली की कप्तानी में शुरुआत की

स्टार स्पोर्ट्स के शो क्रिकेट कनेक्टेड के दौरान गंभीर ने माना कि सीमित ओवरों के क्रिकेट में धोनी गांगुली से आगे रहे क्योंकि उन्होंने सभी आईसीसी ट्रोफी जीती हैं। गंभीर ने कहा, धोनी सीमित ओवरों के प्रारूप में सौरभ गांगुली से बेहतर कप्तान थे क्योंकि अगर आप सिर्फ ट्रोफी की बात करें तो टी20 वर्ल्ड कप, चौंपियंस ट्रोफी और 50 ओवर वर्ल्ड कप– आईसीसी टूर्नमेंट में कोई खिताब नहीं जो धोनी ने न जीता हो।

उन्होंने कहा, एक कप्तान के रूप में बेशक आप इससे बेहतर रेकॉर्ड नहीं रख सकते। मुझे कोई संदेह नहीं कि सफेद बॉल क्रिकेट में महेंद्र सिंह धोनी गांगुली से आगे हैं।

हालांकि गंभीर ने कहा, जब गांगुली ने कप्तानी संभाली तो उनके पास वीरेंदर सहवाग, युवराज सिंह, हरभजन सिंह, जहीर खान, आशीष नेहरा और मोहम्मद कैफ जैसे कम अनुभव वाले खिलाड़ी थे। इन्हें तैयार करने की जरूरत थी। गंभीर ने कहा, जब महेंद्र सिंह धोनी ने कप्तानी संभाली तो ये सभी खिलाड़ी विश्व स्तरीय हो चुके थे। किसी भी टीम को हराने का माद्दा रखते थे।

उन्होंने कहा, एमएस धोनी को ऐसे अनुभवी खिलाड़ी मिले जिन्होंने सौरभ गांगुली की कप्तानी में शुरुआत की। इरफान पठान भी महेंद्र सिंह धोनी को वनडे इंटरनैशनल में सौरभ गांगुली से बेहतर कप्तान बताया।

ओलिंपिक के लिए अभी तक क्वॉलिफाइ नहीं करने के बावजूद चिंतित नहीं हैं हिमा दास

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। फर्राटा धाविका हिमा दास तोक्यो ओलिंपिक के लिए अभी तक क्वॉलिफाइ नहीं कर पाने के बावजूद चिंतित नहीं हैं। उन्हें लगता है कि कोविड–19 महामारी के कारण निलंबित अंतरराष्ट्रीय सत्र के बहाल होने के बाद वह अपने करियर में पहली बार इन खेलों के लिए क्वॉलिफाइ कर सकती हैं। हिमा को अभी स्थगित हुए तोक्यो ओलिंपिक के लिए क्वॉलिफाइ करना है और अंतरराष्ट्रीय सत्र वैश्विक स्वास्थ्य संकट के कारण 30 नवंबर तक निलंबित है।

400 मीटर में मौजूदा जूनियर विश्व चौंपियन हिमा ने एनआईएस पटियाला से कहा, 'मैं ओलिंपिक क्वॉलिफिकेशन के बारे में चिंतित नहीं हूं, इससे केवल तनाव ही पैदा होगा। ओलिंपिक के लिए अभी एक साल बाकी है।' उन्होंने कहा, 'हमें इस महामारी के जल्दी से खत्म होने की प्रार्थना करनी चाहिए। फिर एक दिसंबर से एथलेटिक्स सत्र शुरू होगा और ओलिंपिक के लिए क्वॉलिफाइ करने के लिए अगले साल काफी समय बचा है।' दो साल पहले उन्होंने फिनलैंड में विश्व जूनियर चौंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता था। उनका 400 मीटर में राष्ट्रीय रिकार्ड (50.79 सेकंड) है।

न्यूज डायरी

मैंने हमेशा सरदार सिंह से सीखने की कोशिश की है: विशाल अंटिल

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। विशाल अंटिल जब बेंगलुरु स्थित साई केंद्र में आए थे तो वह अपने सीनियर सरदार सिंह (तकंत पदही) को बड़े ध्यान से देखते थे। भारतीय हॉकी टीम के पूर्व कप्तान का अनुशासन, खेल पर फोकस और पेशेवर रवैया अंटिल को काफी प्रभावित कर गया था। अंटिल ने एक कहा, आपको सीखने के लिए उनसे बात करने की जरूरत नहीं है आप सिर्फ उन्हें देखकर ही काफी कुछ सीख सकते हैं। वह काफी अनुशासन में रहते हैं और फोकस रहते हैं। वह कभी बाहरी तत्वों को मानसिक तौर पर हावी नहीं होने देते और वह अपने शरीर का हमेशा ख्याल रखते हैं। 9:30 के बाद उनके कमरे की लाइट बंद हो जाती हैं। यह एक महान खिलाड़ी की विशेषताएं हैं। उन्होंने कहा, राष्ट्रीय स्तर पर कोई खिलाड़ी अगर नया हो उसके लिए सरदार सिंह से सीखने के लिए काफी कुछ है। मुझे हालांकि उनसे बात करने का मौका कभी नहीं मिला और न ही मैं उनसे बात करने की हिम्मत जुटा पाया।

बैन न लगे इसलिए हमारे ड्रेसिंग रूम में आए थे सौरभ गांगुलीः कुमार संगकारा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) मुंबई। श्रीलंका के पूर्व कप्तान कुमार संगकारा ने 2002 चौम्पियंस ट्रोफी का एक किस्सा याद किया है। संगकारा ने बताया, तब भारतीय टीम के त्तकालीन कप्तान सौरभ गांगुली उनके ड्रेसिंग रूम में आए थे। उस साल चौम्पियंस ट्रोफी के दो फाइनल मैच बारिश के कारण धुल गए थे और भारत–श्रीलंका को संयुक्त विजेता घोषित कर दिया गया था। संगकारा ने स्टार स्पोर्टर्स के शो पर कहा, श्मुझे एक वनडे मैच का किस्सा याद है, जहां उनका रसेल आर्नल्ड से विवाद हो गया था। मुझे लगता है कि दादा को अंतिम चेतावनी दी गई थी और अंपायर ने उनकी शिकायत की थी। उन्होंने कहा, दादा हमारे ड्रेसिंग रूम में आए और हमसे बात की और कहा कि अगर यह चलता रहा तो वह प्रतिबंधित हो जाएंगे। हमने कहा था कि चिंता न करिए हम इसे बड़ा मुद्दा नहीं बनाएंगे और उन्हें कुछ नहीं होगा। आर्नल्ड इस मैच में लगातार पिच के बीचों बीच दौड़ रहे थे और गांगुली बारबार उन्हें याद दिला रहे थे।

गावसकर की सलाह के बाद फिर कभी बाउंसर खेलने में तकलीफ नहीं हुई

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। पाकिस्तान के पूर्व दिग्गज कप्तान इंजमाम उल हक ने भारत के पूर्व दिग्गज टेस्ट बल्लेबाज और पूर्व कप्तान सुनील गावसकर को 28 साल पहले दी गई एक खास सलाह के लिए थैंक्यू बोला है। इंजमाम ने अपने यूट्यूब चौनल श्इंजमाम उल हक– द मैच विनर में सुनील गावसकर हो उनके जन्मदिन के मौके पर हैपी बर्थडे विश करते हुए इस लम्हे को याद किया, जिसने इस पूर्व कप्तान की पूरे करियर में साथ निभाया।

इंजमाम ने गावसकर को दुनिया का महान बल्लेबाज मानते हुए कहा, सुनील गावसकर सचमुच दुनिया के सबसे महान बल्लेबाजों में एक हैं। उन्होंने 10 हजार टेस्ट रन का कीर्तिमान सबसे पहले स्थापित किया और इसके बाद दूसरे बल्लेबाजों को यह रास्ता दिखाया कि टेस्ट क्रिकेट में भी 10 हजार रन बनाना संभव है। बैट आज जितने मजबूत नहीं होते थे। मैदान भी आज की तरह छोटे नहीं होते थे।

इस सप्ताह से प्रैक्टिस शुरू करेंगे न्यूजीलैंड के क्रिकेटर्स

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वेलिंगटन। न्यूजीलैंड के क्रिकेटर कोविड–19 महामारी के कारण लंबे विश्राम के बाद इस सप्ताह लिंकन में हाई परफॉरमेन्स सेंटर में टीम अभ्यास शुरू करेंगे। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने सोमवार को जारी बयान में कहा कि अगले कुछ महीनों में 6 नैशनल कैंप का आयोजन किया जाएगा। एनजेडसी ने कहा, न्यूजीलैंड के शीर्ष पुरुष और महिला क्रिकेटर इस सप्ताह लिंकन स्थित हाई परफॉरमेन्स सेंटर में टीम अभ्यास में वापसी करेंगे। आगामी महीनों में आयोजित किए जाने वाले छह राष्ट्रीय शिविरों में से यह पहला शिविर होगा। न्यूजीलैंड उन देशों में शामिल है, जो कोरोना वायरस से बहुत कम प्रभावित हैं। वहां 1500 के करीब मामले ही सामने आए, जिसमें से 1400 से अधिक ठीक हो चुके हैं।